प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

समेटी–उत्तराखण्ड, प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा 'प्राकृतिक खेती' पर प्रशिक्षण का सफल आयोजन

पन्तनगर। 26 दिसम्बर 2023। संस्थान द्वारा 'प्राकृतिक खेती' विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड, डा. जितेन्द्र क्वात्रा ने प्रतिभागियों से कहा कि कृषि की वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए प्राकृतिक खेती वरदान साबित हो सकता है। कृषि में कृषि रक्षा रसायन एवं रासायनिक उर्वरकों के अनियोजित प्रयोग के कारण मृदा की उर्वरा शक्ति वर्ष दर वर्ष क्षीण होती जा रही है। इसके दुष्परिणाम से मानव के साथ–साथ पशु एवं अन्य जीवधारी भी प्रभावित हो रहे हैं। निश्चित रूप से इसका विकल्प प्राकृतिक खेती हो सकता है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी भी इस विधा को पूरे देश में विस्तारित करने का आह्वान करते रहते हैं। प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) एवं समेटी समन्वयक डा. बी.डी. सिंह ने प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक समेटी तथा उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत करने के साथ–साथ समेटी द्वारा सम्पादित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रम, विभिन्न प्रशिक्षणों की रूप–रेखा बतायी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक खेती–परिचय एवं महत्व, प्राकृतिक खेती–समस्याएं एवं समाधान, बदलते पर्यावरण के परिवेश में प्राकृतिक खेती का महत्व, प्राकृतिक खेती में मृदा स्वास्थ्य एवं फसल सुरक्षा, प्राकृतिक खेती में मृदा स्वास्थ्य हेतु प्रयुक्त होने वाले आदानों के बनाने की विधियों का प्रदर्शन, प्राकृतिक खेती में फसल सुरक्षा हेतु प्रयुक्त होने वाले आदानों के बनाने की विधियों का प्रदर्शन, प्राकृतिक खेती के अन्तर्गत आदानों के विभिन्न फसलों में प्रयोग की विधियाँ, विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खेती पर चल रहे शोध कार्यों का प्रदर्शन, प्राकृतिक खेती में गौधन प्रबन्धन, प्राकृतिक खेती के बारे में उत्तराखण्ड से आये प्रतिभागियों से परिचर्चा एवं समाधान, परम्परागत कृषि तकनीक एवं प्राकृतिक कृषि तथा मोटे अनाजों की वैज्ञानिक खेती के बारे में व्याख्यान दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डा. सुनीता टी. पाण्डे, प्राध्यापक, डा. एस.पी.एस. बेनीवाल सहित अनेक विषय विशेषज्ञों ने व्याख्यान एवं प्रायोगिक प्रदर्शन सम्पन्न करवाये। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद–पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, ऊधम सिंह नगर, नैनीताल एवं अल्मोड़ा के कृषकों द्वारा भाग लिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पादन में कु. ज्योति कनवाल, यंग प्रोफेशनल–द्वितीय एवं श्री जगदीश चन्द्र बिष्ट का विशेष योगदान रहा।

प्रशिक्षण की जानकारी देते वैज्ञानिक।

निदेशक संचार